Bareilly, Thursday,
3 November 2022
BAREILLY EDITION
Price : 3.50/-
Pages 10

दैनिक जागरण inext

Page No : 04 MIDDLE

बिहारी जी की भक्ति में बने 'बनीठनी से रसिक बिहारी'

थिएटर फेस्टिवल इंद्रधनुष रंग महोत्सव में कलाकारों ने अभिनय से मोहा मन

bareilly@inext.co.in

BAREILLY (2 Nov): श्री राममूर्ति स्मारक रिद्धिमा में दूसरे थिएटर फेस्टिवल इंद्रधनुष रंग महोत्सव 2022 के दूसरे दिन बुधवार को नाटक 'बनीठनी से रसिक बिहारी' का मंचन हुआ. बनी ठनी नाम से किशन गढ़ी शैली के प्रसिद्ध चित्रकार निहाल चंद की पेंटिंग का स्मरण होता है. उन्ही के जीवन पर आधारित नाटक 'बनीठनी से रसिक बिहारी' का मंचन रिद्धिमा में नई दिल्ली के फाइव एलिमेंट्ज थिएटर की ओर से किया गया. राखी मानव के निर्देशन में इस नाटक का आरंभ श्रीबांके बिहारी जी की शयन आरती में रसिक बिहारी के पद गायन से होता है. सूत्रधार बताता है कि रसिक बिहारी ही असल में बनीठनी थी. छोटी सी बन्नो को ढाई सौ अशर्फियों में किशन गढ़ के राजा राज सिंह खरीद कर अपनी पत्नी बंकावत की सेवा में सौंप देते हैं.

दिखा अद्भुत सामंजस्य

विलक्षण प्रतिभा की धनी बन्नो को रानी बंकावत कला, साहित्य की शिक्षा देती हैं. बड़े होने पर उनका परिचय राजा राज सिंह के बेटे कुंवर सावंत सिंह से होता, जो उनकी प्रतिभा से प्रभावित हो कर उनसे प्रेम करने लगते हैं. दोनों ही कृष्ण भक्ति में लीन रहते हैं. पिता और पत्नी लाल कुमरी का विरोध भी उनको बनीठनी के साथ रहने से नहीं रोक पता. राजपाट से विरक्त सावंत सिंह, बनीठनी के साथ वृंदावन चले जाते है. वहां राजा सावंत सिंह नागरीदास और बनीठनी रसिक बिहारी नाम से कृष्ण लीलाओं की भक्तिमय काव्यों की रचना करते हैं.